www.kotobarabia.com

نوبة مرجوع تجليلة بنت مرة أو أو بامروكة الصحراء



صفاء فريد

طبقا لقوانين الملكية الفكرية

جميع حقوق النشر و التوزيع الالكتروني لمذا المصنف محفوظة لكتب عربية. يحظر نقل أو إعادة بيع اى جزء من هذا المصنف و بثه الكترونيا (عبر الانترنت أو للمكتبات الالكترونية أو الأقراص المحجة أو اى وسيلة أخرى) دون الحصول على إذن كتابي من كتب عربية. حقوق الطبع الو رقى محفوظة للمؤلف أو ناشره طبقا للتعاقدات السارية.

٣	إهداء
	شخصيات المسرحية
7	(تنوهات)
	ر اللوحة الأولى
	اللوحة الثانية
	اللوحة الثالثة
	اللوَّحة الرابعة
	اللوَّحة الخامسة
	اللوحة السادسة
	اللوحة السابعة



.

:

:

:

:

:

.

•

•

.

•

: : .. :

<u>(...</u>) : ...(.. .. !

.(.(): (): ! (): ():

```
! ( ):
.. ( ):
( ):
( ):
  .(
           .. ):
(
             ( ):
             ( ):
               :
( )
( ):
   .
```

```
( ):
:
.. :
(
;
( );
..
    ( ):
!
.. :
( )
   ( ):
```

```
(
( ):
):
                                                                             (
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       ( ):
( ):
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (   ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (   ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (    ):
    (  
.
```

	.(():)
(:)
		():	
				()
				:	

	(): :
():
 . (():):):
	():
!!	()

```
( ):
.. .. ( ) .. .. ( ) :
      ( ):
      ( )
( ):
```

```
( .. ):
.. .. ( )
( ):
( )
  .. ) .. .. ( ):
          ( )
•
           .. )
```

```
(
(
           ):
( );
 ( );
! ( );
.
     (
           ļ
              (
```

; () .. () (): ():

···

.. ..

!!

. :

()

.. ..

():

```
:
!
( ):
     .. ( )
( )
( )
:
( ) (
 !!
```

	!	()
		11	()
(): ! : :
		:):
			():
				:

```
.. ( ):
    ( ):
      .. ( )
! :
       ( ):
(
```

```
:
( ):
..
(
     ... ( ):
      ( ..
:( ):
!! ..
( )
```

```
( ):
..
       (
        (
          .. ( ):
             ( )
       ļ
          .. :
   (
```

```
( )
      ):
(
   (
.. .. (
     (
    ( )
   (
```

		()
(:)
:		(): :
! :	((()):): :

():

.. :

()

! .. ():

· :

:

••

```
:
(
```

				()
			()
		()
	(:)
		():		

```
( )
:
!! ( ):
)
(
   (
```

..

(

... :

():

(): (():

...

.. ..

())

	!)
	(():
		()
()
		()
()

```
)!
     ( )
.. ( ):
( )
```

():

: ():

.. .. (

() ,) (): !

():) (() .. ()

	()
)
·	(() ((): :):
	():
	(():):
		():

() .. (! (): ... • •

(ļ : .. (): (): .. (): .. :

(): (): .. () .. () .. : ()

...() ..

.. ()

():

.. : (): !! ..

.. : ...
!
(): (():

(): (): .. : () ••

.. : : (():

()

(

• •

! ()

) (():

()

():

.. ():

(): (

(): ! ():

.. (

```
! :
(
  (
( )
( ):
(
```

```
( )
 ( ( ):
..
```

(): (..)

..

•• ..

.(

():

! (): ():

```
( ):
( ):
( )
1 ..
          ( )
        . .
       (
..
```

• • . .) (.. ..

```
( ( ):
 ( )
 ( ):
  ..
( ):
..
)
```

...

(

..

()

()

..

! () ():

```
!!
     ( ):
( ):
( ):
:
( .. )
:
( )
  .. ( ):
```

	(:
) !	(
(():
(,	

..

() (): ()

..

()

()

()

!!..

..

)
(
! ():
! :

() : :

... () !

.. ! :

```
)
( ;
...
(
       .(
( ):
          ( ):
```

		():
	(
		()))
		() :
(!)
	()

				():
				() :
()
				():
		(
	(ļ):

:

:

/

(): (...
()
()
()
()
... :

! (): .. () .. (); ();

		(
		(
	():
		•	
)
(():
()

.. (): : (): .. () ()

(: : (): : ()

() •• ··
. ()
:
: ()

..

```
( )
!
. .. :
:
..
   (
 ( ):
```

;
():
;
():

··· () :

()

: !! :

...

...



(): () .. : (): : () ():

: ! : .. (): (): (

	():	
!!!	(! ():	
	():	
()	
()	

()

•

.

..

.. ..

..

.. : ! (..): (

..

.. ():

••

·

. ...

.. ()

...

•

(():
		:	()
		ļ	():
	()	
			!!	:
			()

.. () .. () () ! : (): ..

```
: ( ):
) ( ):
( )
( ):
```

() ! () (): .. () ! .. :

```
( ( ):
! ...
...
( )
(       )
......
```

```
( ):
( ( ):
...
    ( ):
! .. ( )
 ( )
    .. ( ):
```

(..) .. ()

((): ..

(

(

(():

):

():

.. ():

)	
	(():	
)	
			,	
 ():	
		():	
		()	

```
.. ( ):
.. ( ):
.. ( ):
.. ( ):
( ):
..
             ( ):
```

(): ! ()

() ()

.. ()

(): .. (()

```
( ):
( ):
     !..
!
( )
( ):
   (
    (
```

...

(

()

..

():

..

···
(

)

:
(

)
:
(

)
(

)
(

)

	()	
	()	
()	
):	:
	(
	! .():	:
	!	()	
	!			:
	!			

.. (): .. ! ! (): ()

```
)
:
( ):
(
      ( )
..( ):
):
```

()
! ():
();
! ():
! ():

... ···
()
! ()
() .. ()

.. ():

.. ():

! () ! ():

(): (): .. : .. ()

.. () .. () () (): ••

..

:

.. :

) (

(

)
():
!
()
! ...
()

:

• •

.. ()

(): ! :

ļ		():		
			():		
			():		
			()		
			()		
	()		
		(();)	
		`		:	,	

.. () !! ()

(): .. ():

(()
		()
			:
		()
		()

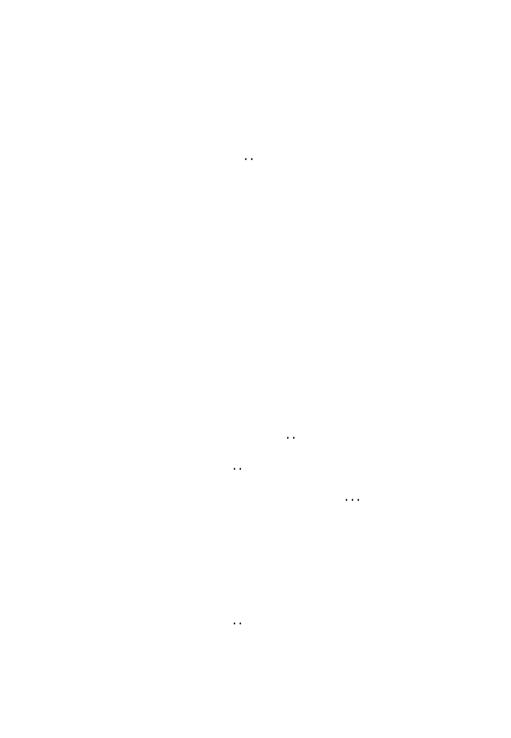
():

()

(

..) (

() : ()



.. (

.. : ···
()
():
)
() () (): (..):

. (.. .. () .. :

! ()

()

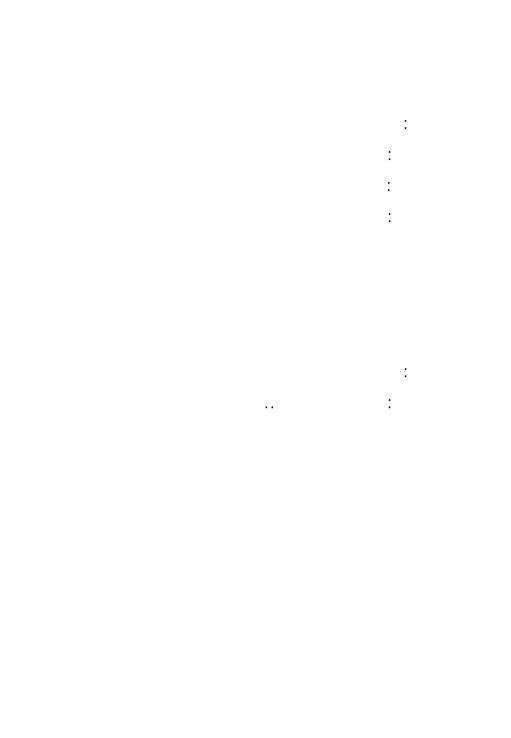
.. () .. ():

(): () ():

(... : : () :

		()
(:)) :
()
	()

```
( )
    )
(
( ):
```



ij

••

```
( ):
... ( ):
... :
... :
... :
... :
```

! :

)

():

():

)

.. ()

(..) ():

(

(

() .. ():

..

.. ..

..

...

.. : ! ! ()

: (): : ..)) (į.

··· :

•

..

.. ..

.. ..

! :

ļ ļ ••) (

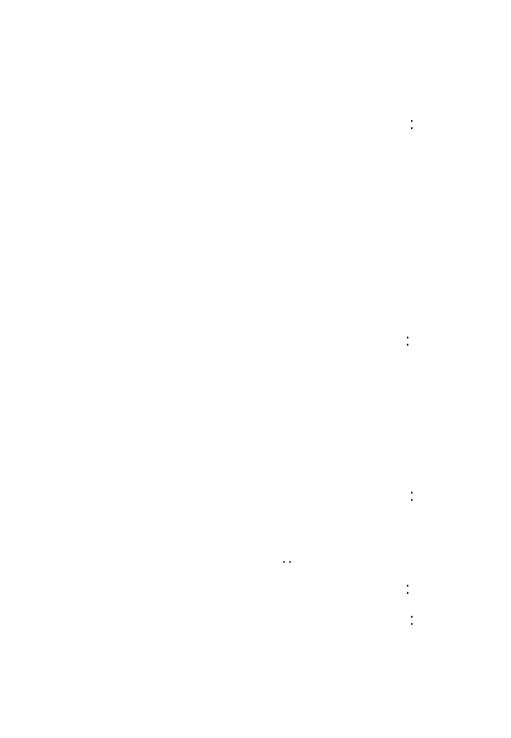
..

()

...



.. (..) ! : (



.. :

()

():

() ()

(): () ()